नगर संस्करण, पृष्ठ 18+4 (संडे उमंग), मूल्य ₹ 4.00

● लखनऊ ● नई दिल्ली ● गोरखपुर ● पटना ● कानपुर ●

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

रविवार, लखनऊ, 8 मई 2011 | राष्ट्रीयता । कर्त्तव्य । समर्पण | www.rashtriyasahara.com

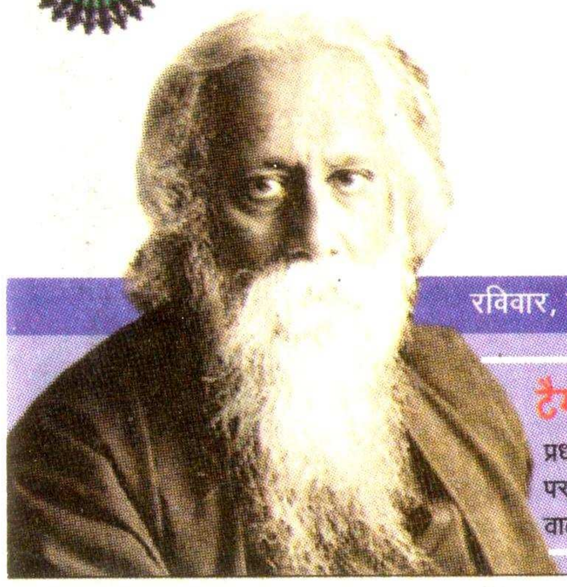

टैगोर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

प्रधानमंत्री ने की घोषणा, गुरुदेव की 150वीं जयंती पर भारत व बांग्लादेश में संयुक्त रूप से मनाया जाने वाला स्मरणोत्सव शुरू **P-15**

पैसा वसूल : म्युचुअल फंड चुनने के शानदार फंडे **P-17**

सायना का अभियान खिताबी दौर में

कोरिया की जिम ह्युन सुंग के खिलाफ सीधे गेमों में जीत के साथ मलयेशियाई ओपन ग्रां प्री टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया **P-16**

हवा से चलेगी मोटरसाइकिल!

लखनऊ (एसएनबी)। गौतम बुद्ध प्राविधिक विश्वविद्यालय ने हवा से चलने वाली मोटरसाइकिल का इंजन बनाने वाले शोधार्थी को भरतराज सिंह को पीएचडी की डिग्री देने की घोषणा की है। यह उपाधि उसे शैक्षिक सत्र के अंत में होने वाले दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के हाथों प्रदान की जाएगी।

▶ **इंजन बनाने वाले शोधार्थी भरतराज सिंह को पीएचडी से नवाजेगा जीबीटीयू**

▶ **दीक्षांत समारोह में राज्यपाल देंगे डिग्री**

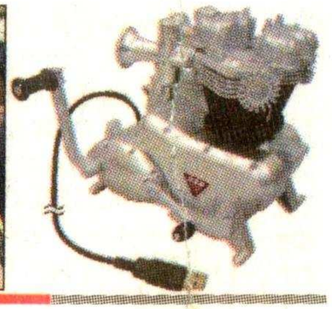

विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए शनिवार को भरतराज का साक्षात्कार हुआ। जीबीटीयू के शोधार्थी भरतराज ने एक ऐसे मोटर बाइक के इंजन का निर्माण किया है जो हवा से चलता है। इस इंजन को एक बार में लगातार 40 मिनट तक चलाया जा चुका है। हरकोर्ट बटलर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर ओंकार सिंह के निर्देशन में भरत राज सिंह ने हवा से चलने वाले इंजन को लेकर शोध प्रबंध पूरा कर लिया है। प्राविधिक विश्वविद्यालय में मकैनिकल इंजीनियरिंग के शोधार्थी भरतराज एक-दो दिन में डा. भरतराज सिंह हो जाएंगे। उन्हें साक्षात्कार के बाद प्राविजनल पीएचडी की डिग्री जारी कर दी जाएगी।

भरतराज के निर्देशक प्रो. ओंकार सिंह ने बताया कि इंजन की तकनीक पूरी तरह सफल है, लेकिन अभी इसके फ्यूल टैंक को लेकर और अधिक काम की जरूरत है। इंजन में एक सिलेण्डर लगा है जो कम्प्रेशर के जरिये हवा से भरा जाता है और इसी हवा का इस्तेमाल ईधन के रूप में किया **(शेष पेज 13 पर)**

हवा से चलेगी...

जाता है। प्रो. सिंह ने कहा कि रिनोवल व सस्टनेबल इनर्जी के इस्तेमाल की दिशा में अब हमें आगे बढ़ना ही होगा। इसके लिए भरतराज की तकनीक को आगे बढ़ाने की जरूरत है। भरतराज राजधानी के एसएमएस इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग में शोध कर रहे हैं।